The Concept of HOME SCIENCE – गृह विज्ञान का सम्प्रत्यय

गृह विज्ञान का अर्थ समझने से पहले इसके बहुनामों से परिचित होना आवश्यक है। गृह विज्ञान को अनेकों नामों से सम्बोधित किया जाता है, जबकि इन सभी की प्रकृति विषय वस्तु एक समान ही होती है। इसे गृह विज्ञान (Home Science)
गृह कला (Domestic Art)
घरेलू कला (House Hold Art)
घरेलू विज्ञान (House Hold Science)
घरेलू अर्थशास्त्र (House Hold Economy)
घरेलू प्रशासन (House Hold Administration)
नियंत्रणीय वातावरण का विज्ञान (Euthenics)
आदि नामों से पुकारा जाता है।
अमेरिका में यह विज्ञान 'गृह अर्थशास्त्र' तथा इंग्लैंड और भारत में 'गृह विज्ञान' नामों से प्रचलित है।

किसी भी विज्ञान का अध्ययन करने से पूर्व यह आवश्यक है कि उस विज्ञान अथवा शास्त्र का अर्थ समझ लिया जाय। यदि गृह विज्ञान शाब्दिक अर्थ विश्लेषण किया जाय तो यह कहा जा सकता है कि गृह विज्ञान एक व्यवस्थित अध्ययन है जो गृह अर्थात घर-परिवार से सम्बन्धित है। गृह अर्थात घर-परिवार के विभिन्न पक्ष होते हैं। घर-परिवार में रहकर ही परिवार के सभी सदस्यों की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है, तथा परिवार के सभी सदस्यों का प्रयास होता है कि उन्हें सभी प्रकार की सुख सुविधाएँ प्राप्त हो। जीविकोपार्जन, रहन सहन, शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन एवं सामाजिक सांस्कृतिक जीवन का केन्द्र घर-परिवार (गृह) होता है। गृह विज्ञान इन सभी पक्षों का अध्ययन करता है। अतएव यह कहा जा सकता है कि गृह विज्ञान एक विस्तृत विज्ञान है।

गृह विज्ञान की परिभाषा – गृह विज्ञान का अर्थ स्पष्ट करने के लिए निम्नलिखित परिभाषायें दी गयी हैं—

"गृह विज्ञान वह सामाजिक विज्ञान है जो घर परिवार से सम्बन्धित सभी आवश्यकताओं एवं योजनाओं का व्यवस्थि

अध्ययन करता है। तथा पारिवारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि करने के लिए सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करता है।"

संक्षेप में कहा जा सकता है कि गृह विज्ञान वह व्यवस्थित अध्ययन है जिसके अन्तर्गत उन सभी विषयों का अध्ययन किया जाता है जो सुखी एवं आदर्श परिवार के निर्माण में सहायक होते हैं। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि गृह विज्ञान एक उपयोगी कला विज्ञान है तथा इसका सम्बन्ध घर-परिवार के प्रायः सभी पक्षों से होता है।

अमेरिका में समय-समय पर गृह अर्थशास्त्र को परिभाषित करने का प्रयास किया गया। सन् 1902 में 'लेक प्लेसिड सम्मेलन' में इसकी परिभाषा व्यापक व संकुचित अर्थ में इस प्रकार निरूपित की गयी —

"अपने अत्यधिक व्यापक अर्थ में गृह अर्थशास्त्र उन विधियों, दशाओं, सिद्धान्तों और आदर्शों का अध्ययन है जो कि एक ओर तो मानव के तत्कालिक भौतिक वातावरण से सम्बन्धित हैं तथा दूसरी ओर उसकी मानवीय प्रवृत्ति से यथार्थ में यह इन दोनों ही कारणों के मध्य सम्बन्ध का अध्ययन है।"

"संकुचित अर्थ में यह गृह कार्य, पाक-विधि आदि की व्यावहारिक समस्याओं के विशेष सन्दर्भ में आधारीय विज्ञानों का अध्ययन है।

गृह विज्ञान का क्षेत्र अथवा विषय विस्तार -

किसी भी विज्ञान अथवा शास्त्र के व्यवस्थित तथा सम्पूर्ण अध्ययन के लिए उसके विषय क्षेत्र अथवा अध्ययन क्षेत्र का सही निर्धारण किया जाय। विषय क्षेत्र के निर्धारण के पश्चात सम्बन्धित विषय का अध्ययन सरल हो जाता है।

गृह विज्ञान के अन्तर्गत प्रमुख रूप से निम्नलिखित विषयों का अध्ययन किया जाता है। —

(1) गृह-प्रबन्ध अथवा गृह कला — गृह के समस्त कार्यों को उत्तम ढंग से करने का निश्चित साधनों के द्वारा अधिक से अधिक सुख-सुविधाओं प्राप्त करने में सफलता हासिल करने की कला ही गृह-प्रबन्ध है। परिवार का आय-व्यय का हिसाब बजट बनाना आदि का भी अध्ययन इसी विषय के अन्तर्गत किया जाता है। परिवार की आवश्यकता तथा उसके नियोजन का भी अध्ययन किया जाता है। गृह व्यवस्था के अलावा गृह कला का भी अध्ययन गृह विज्ञान में किया जाता है।

(2) आहार तथा पोषण विज्ञान — गृह विज्ञान के अन्तर्गत 'आहार तथा पोषण विज्ञान' का भी अध्ययन किया जाता है। आहार तथा पोषण विज्ञान भी एक विस्तृत क्षेत्र वाला विज्ञान है। इस विज्ञान के दो पक्ष हैं। पहला पक्ष है — आहार तथा दूसरा पक्ष है — पोषण। इन दोनों से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का अध्ययन किया जाता है।

(3) शरीर विज्ञान तथा स्वास्थ्य रक्षा — गृह विज्ञान के अन्तर्गत शरीर विज्ञान तथा स्वास्थ्य रक्षा का भी विधिवत अध्ययन किया जाता है। इस विषय में शरीर की रचना, अंगों की बनावट, विभिन्न संस्थाओं की कार्य-प्रणाली तथा महत्व आदि का अध्ययन किया जाता है। पाचन संस्थान, रक्त परिचालन संस्थान, श्वसन, उत्सर्जन आदि का अध्ययन इसी विषय के अन्तर्गत किया जाता है।

(4) प्राथमिक चिकित्सा तथा गृह-परिचर्या — घर में समय-समय पर कोई न कोई दुर्घटना हो ही जाती है। ये दुर्घटनाएँ कहीं भी किसी भी समय हो सकती है और प्रत्येक दुर्घटना के अवसर पर डाक्टर उपस्थित

हो यह सम्भव नहीं है। डाक्टर के आने से पहले दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को जो आवश्यक सहायता एवं उपचार प्रदान किया जाता है, उसे प्राथमिक चिकित्सा कहा जाता है। गृह विज्ञान के अन्तर्गत प्राथमिक चिकित्सा के सिद्धान्तों और उपायों का भी अध्ययन किया जाता है।

5- बाल-विकास तथा पारिवारिक सम्बन्ध - 'गृह विज्ञान' में 'बाल विकास' तथा पारिवारिक सम्बन्धों का भी वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अध्ययन किया जाता है। इस विषय के अन्तर्गत शिशु के जन्म से लेकर आगे के क्रमिक विकास का अध्ययन किया जाता है।

6- वस्त्र विज्ञान और परिधान - गृह विज्ञान के अन्तर्गत 'वस्त्र विज्ञान एवं परिधान' का भी अध्ययन किया जाता है। वस्त्र विज्ञान के अन्तर्गत वस्त्र बनाने वाले प्राकृतिक कृत्रिम तन्तुओं का वस्त्र निर्माण की समस्त विधियों का, वस्त्र की परिष्कृत तथा परिसज्जा का, वस्त्रों के रख-रखाव और संग्रह का तथा उचित प्रकार से धुलाई का व्यवस्थित तथा वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि गृह विज्ञान का अध्ययन क्षेत्र पर्याप्त विस्तृत है तथा इसके अन्तर्गत विभिन्न एवं भौतिक तथा सामाजिक विज्ञानों के परिवार से सम्बन्धित तथ्यों का अध्ययन किया जाता है। इस विज्ञान का प्रत्येक व्यक्ति के लिए विशेष महत्व है तथा गृहणियों के लिए अनिवार्य है।